ये अव्यक्त इशारे

सन्तुष्टमणि बन सदा सन्तुष्ट रहो और सबको सन्तुष्ट करो

6-12-2024

जितना अपने को सर्व प्राप्तियों से सम्पन्न अनुभव करेंगे उतना सन्तुष्ट रहेंगे। अगर जरा भी कमी की महसूसता हुई तो जहाँ कमी है वहाँ असन्तुष्टता है। भल अपना राज्य नहीं है इसलिए थोड़ी मेहनत करनी पड़ती है परन्तु यहाँ प्राब्लम तो खेल हो गई है, हिम्मत रखने से समय पर सहयोग मिल जाता है, इसलिए अपनी सन्तुष्टता के साथ-साथ स्वयं की श्रेष्ठ स्थिति से सर्व आत्माओं को सन्तुष्टता का सहयोग दो।

Be a jewel of contentment, always remain content and make everyone content.

The more you experience yourself to be full of all attainments, the more content you will remain. If there is the slightest feeling of anything lacking, then that lack will make you discontent. Although this is not your kingdom and you therefore have to make a little effort, problems here have become like a game. When you have courage, you receive co-operation at the right time. Therefore, along with your contentment, give all souls the co-operation of contentment through your elevated stage.